Rural Studies (RM&D)
Patna University
Semester-I

Indian Rural Society & Rural Administration

Course/ Paper Code:-CC-1 Unit-5- Panchayati Raj

(E-content)

Dr. Shashi Gupta
Assistant Professor (Guest Faculty)
P.G. Department of Rural Studies (RM&D)
Patna University
Mobile No.:9472240600
Email: drsgupta01@gmail.com

उद्यमिता विकास कार्यक्रम (Entrepreneurial Development Programme)
अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, आवश्यकता एवं प्रासंगिकता
(Meaning, Definitions, Objectives, Need and Relevance of Entrepreneurial Development Programme)

उद्यमिता का विकास एक आधुनिक एवं जटिल विचारधारा है। यह किसी देश के विकास की प्राथमिक आवश्यकता है। भारत जैसे विकासशील देश के संदर्भ में उद्यमिता का विकास एक नवीन विचारधारा है। विकासशील देशों की विभिन्न महत्वपूर्ण समस्याओं, जैसे - असंतुलित क्षेत्रीय विकास, आर्थिक सत्ता का केंद्रीकरण, न्यून उत्पादकता, बेरोजगारी, अलाभकारी विनियोजन, अकुशल उत्पादन, औद्योगिक शिक्षण एवं प्रशिक्षण की कमी आदि का निवारण उद्यमिता के विकास कार्यक्रमों के द्वारा ही किया जा सकता है। यही कारण है कि आज प्रत्येक देश की सरकार विशेषत: भारत जैसे विकासशील देश की सरकार उद्यमिता विकास कार्यक्रमों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उद्यमिता के विकास के लिए भारत सरकार एवं राज्य सरकारें विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों को संचालित कर रही है, विभिन्न प्रकार की प्रेरणाएँ एवं सुविधाएं प्रदान कर रही है तथा इस कार्य के लिए विभिन्न संगठनों एवं संस्थाओं का निर्माण कर रही है। विकास कार्यक्रम का अर्थ

उद्यमिता विकास कार्यक्रम का अर्थ एवं परिभाषा (Meaning and Definition of Entrepreneurial Development Programme)

उद्यमिता विकास कार्यक्रम का अर्थ - उद्यमिता विकास कार्यक्रम की प्रक्रिया मूलतः शिक्षण, प्रशिक्षण, भौतिक साधनों की उपलब्धता, क्षेत्रीय विकास एवं उद्यमी के लिए व्यवसाय का एक स्वस्थ पर्यावरण तैयार करने पर बल देती है, ताकि उद्यमियों को निरंतर आगे बढ़ने में मदद मिल सके। उद्यमिता विकास कार्यक्रम पांच बातों पर बल देता है –

(1) भौतिक संसाधनों की उपलब्धता,
(2) वास्तविक उद्यमियों का चयन व्यवसायिक,
(3) व्यावसायिक एंव औद्योगिक शिक्षण एवं प्रशिक्षण,
(4) औद्योगिक इकाइयों का निर्माण तथा
(5) क्षेत्रीय विकास समिति का निर्माण।

यह सभी बातें एक-दूसरे से संबंधित है। उद्यमिता विकास कार्यक्रम एक संगठित एवं व्यवस्थित विकास कार्यक्रम है जो कि उद्यमिता के विकास पर बल देता है। उद्यमिता विकास कार्यक्रम की रचना इस प्रकार से की जाती है कि वह उद्यमी को अपने उद्यम को अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सहायता प्रदान करें जिससे वह उद्यमी के रूप में अपनी भूमिका का सही प्रकार से निर्वाह कर सकें। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि उद्यमी की विचारधारा से उसके उद्देश्य, उसके उत्प्रेरण करने के ढंग और उसकी उद्यमिता व्यवहार पर प्रभाव डालने वाले कारकों आदि को प्रोत्साहित किया जाए । ऐसा प्रत्येक कार्यक्रम जो उपरोक्त सभी उद्देश्यों को पूरा करता है, वही उद्यमिता विकास कार्यक्रम (Entrepreneurial Development Programme-EDP) कहलाता है ।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम की परिभाषा (Definition of Entrepreneurial Development Programme) - उद्यमिता विकास कार्यक्रम एक व्यापक कार्यक्रम है जो कि उद्यमियों के विकास पर बल देता है ।यह मानवीय संसाधन विकास का एक अंग है । उद्यमिता विकास कार्यक्रम को निम्न प्रकार से परिभाषित किया जा सकता है -

I) उद्यमिता विकास कार्यक्रम एक ऐसा कार्यक्रम है जो कि किसी व्यक्ति के उद्यमिता चातुर्य अभिप्रेरण तथा क्षमताओं के विकास के लिए तैयार किया जाता है , ताकि वह व्यक्ति उद्यमिता की भूमिका को प्रभावी ढंग से निभा सके । ' '

II)उद्यमिता विकास कार्यक्रम औद्योगिकीकरण का एक अस्त्र है तथा उद्यमिता के विकास में आने वाली बाधाओं एवं समस्याओं का समाधान करता है ।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम के उद्देश्य (Objectives of Entrepreneurial Development Programme)

उद्यमिता विकास कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित है –

a) संभावित उद्यमियों की पहचान करना ।
b) संभावित उद्यमियों को शिक्षण प्रशिक्षण देना।
c) प्राथमिक प्रबंधकीय समझ प्रदान करना, उद्यमियों में आवश्यक ज्ञान एवं चातुर्य विकसित करना ।
d) उद्यमिता के गुण तथा अभिप्रेरण को विकसित करना ।
e) प्रस्तावित परियोजना संबंधी पर्यावरण के मामलों का विश्लेषण करना ।
f) उद्यमिता विकास कार्यक्रम को लागू करने के मार्ग में आने वाली बाधाओं का पता लगाना एवं उसका निवारण करना।
g) सही परियोजना एंव उत्पाद का चयन करना ।
h) प्रभावी एंव लाभकारी परियोजना को तैयार करना । परियोजना की स्थापना के लिए प्रक्रिया, कार्यविधि, नियमों एवं नियमनों को समझना ।
i) परियोजना की स्थापना के लिए सरकार से मिलने वाली सहायता, प्रेरणाएँ, अनुपूर्ति (saubsidiy) के स्रोत का पता लगाना ।
j) परियोजना का कुशलतापूर्वक संगठन एवं संचालन करने के लिए प्राथमिक प्रबंधकीय चातुर्य को प्राप्त करना ।
लघुत्तर ,लघु और मध्यम (MSME) श्रेणी के उद्योगों को प्रोत्साहित करना , ताकि रोजगार की भावना प्रोत्साहित हो सके ।
k) नए-नए उद्यमिता अवसरों का विकास करना ।
l) एक उद्यमी बनने से होने वाले गुण-दोषों के बारे में जानकारी देना ।
m) उद्यमियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना ।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम का महत्व/आवश्यकता (Importance/Need of Entrepreneurial Development Programme)

विकसित एवं विकासशील देशों में उद्यमिता विकास कार्यक्रम ने देश के चहुंमुखी विकास के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने अनेक उद्यमिता के अवसर विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध कराए हैं। चाहे वह इलेक्ट्रॉनिक का हो, इंजीनियरिंग का हो, दूरसंचार का हो, या दवाइयों का हो, कृषि का या पैकेजिंग का सभी क्षेत्रों में उद्यमिता विकास ने अपने एक महती भूमिका निभाई है। संक्षेप में उद्यमिता विकास कार्यक्रम की विभिन्न क्षेत्रों में भूमिकाएँ निम्न प्रकार है : -

1. गरीबी एंव बेरोजगारी का निवारण (Eliminates Poverty and Unemployment)- निरंतर बढ़ती हुई बेरोजगारी विकासशील देशों की सबसे गंभीर समस्या है। उद्यमिता विकास कार्यक्रम बेरोजगारों को स्वरोजगार तथा उद्यमिता के क्षेत्र में अवसर पाने में सहायता प्रदान करता है। विभिन्न कार्यक्रम जैसे राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम, दीनदयाल उपाध्याय कौशल आजीविका मिशन, कौशल विकास मिशन, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, मेड इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, लोकल से वोकल आदि महत्वपूर्ण उदाहरण है। इन सभी कायकमों का मूल उदेश्य स्वरोजगार के माध्यम से गरीबी के दूष्चक्र को तोड़ना है।

2. संतुलित क्षेत्रीय विकास (Balanced Regional Development) - उद्यमिता विकास कार्यक्रम संतुलित क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत को ही देखा जाए जहां एक और कुछ क्षेत्र विकास की चरम सीमा पर है जैसे- महाराष्ट्र, गुजरात,पंजाब, दिल्ली आदि वहीं दूसरी और कुछ ऐसे क्षेत्र भी हैं जो विकास की निम्नतम सीमा पर है जैसे- बिहार, उड़ीसा, राजस्थान आदि। उद्यमिता विकास कार्यक्रम औद्योगिकीकरण को प्रोत्साहित करता है तथा आर्थिक सत्ता के केंद्रीकरण को रोकता है। यह लघु उद्योगों की स्थापना को प्राथमिक देता है। इससे क्षेत्रीय असंतुलन के विकास में सहायता मिलती है।

3. औद्योगिक गंदी बस्तियों की रोकथाम (Prevents Industrial Slums) - नगरों में आवासों की अत्यधिक कमी होने के कारण बड़ी-बड़ी औद्योगिक नगरों में गंदी बस्तियों की स्थापना होती है जहां श्रमिक एवं अन्य निर्धन लोग निवास करते हैं। गंदी बस्तियों में रहने वालों का स्वास्थ्य बिगड़ता है, नैतिक चरित्र का पतन होता है और अपराध प्रवृतियां पनपती है। उद्यमिता विकास कार्यक्रम इन बस्तियों के उन्मूलन में सहायता प्रदान करता है। उद्यमियों को उद्यमों की स्थापना के लिए विभिन्न योजनाएं प्रेरणाएँ शिक्षण - प्रशिक्षण आर्थिक सहायता आदि सुविधाएं प्रदान करता है।

4. स्थानीय उपलब्ध संसाधनों का उपयोग (Upe of Locally Available Resources) - स्थानीय स्तर पर असीम स्थानीय संसाधन उपलब्ध है इनका विदोहन स्वस्थ आर्थिक विकास तथा तीव्र औद्योगिकीकरण की पृष्ठभूमि प्रस्तुत करता हैं । उद्यमिता विकास कार्यक्रम उद्यमियों के शिक्षण एवं प्रशिक्षण के द्वारा इन स्थानीय संसाधनों के विदोहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ।

5. सामाजिक तनाव में कमी (Reduction in Social Tension)- यदि किसी युवा को अपना शिक्षण एवं प्रशिक्षण पूरा करने के पश्चात रोज़गार नहीं मिलता है तो उसके मन में तनाव उत्पन्न होना संवभाविक है। ऐसे युवाओं को रोजगार की ओर आकर्षित करके सामाजिक तनाव एवं निराशा में पर्याप्त कमी लाई जा सकती है। ऐसा उद्यमिता विकास कार्यक्रम के द्वारा ही संभव है।

6. आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं से मुक्ति दिलाने में (Freedom from Economic and Social Problems)- देश के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में उद्यमिता विकास कार्यक्रमों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उद्यमिता विकास कार्यक्रम राज्य को आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं से मुक्ति दिलाने में सक्रिय सहायता प्रदान करता है। उद्यमिता विकास कार्यक्रम सरकार की आर्थिक नीतियों एवं कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन में सहायता प्रदान करता है।

व्यवसाय से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में उद्यमिता विकास ने नए-नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उद्यमिता विकास कार्यक्रम ने असफल उद्यमियों को सफलता प्रदान करने के लिए एक नया रास्ता दिखाया है। उद्यमिता विकास कार्यक्रम अकुशल उद्यमियों को सूचनाओं को प्राप्त करना और प्राप्त सूचनाओं से फायदा उठाना सिखाता है। उद्यमिता विकास कार्यक्रम पूंजी निर्माण करने तथा उपयुक्त औद्योगिक पर्यावरण तैयार करने में सहायता प्रदान करता है।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम प्राकृतिक एवं मानवीय संसाधनों का उपयोग संभव बनाता है। उद्यमिता विकास कार्यक्रम नवीन अनुसंधान तथा आधुनिकतम उत्पादन टेक्नोलॉजी का उपयोग करता है। उधमिता विकास कार्यक्रम देश-विदेश में नए नए बाजारों की खोज करने में सहायता प्रदान करता है। उद्यमिता विकास कार्यक्रम उपभोक्ताओं के लिए पर्याप्त मात्रा में सस्ता सुंदर टिकाऊ उत्पाद उपलब्ध कराने में सहायता प्रदान करता है।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम की प्रासंगिकता (Relevance of of Entrepreneurial Development Programme)

अल्पविकसित अर्थव्यवस्था हो या विकासशील हो अथवा विकसित सभी जगह उद्यमिता विकास कार्यक्रम की प्रासंगिकता है। यही कारण है कि आज सभी देशों में उद्यमिता विकास कार्यक्रमों की प्रासंगिकता में निरंतर वृद्धि हो रही है । उद्यमिता विकास कार्यक्रम औद्योगिकीकरण का मूल आधार है तथा बेरोजगारी की निवारण का तंत्र है। उद्यमिता विकास कार्यक्रम की प्रासंगिकता शिक्षण प्रशिक्षण एवं व्यवसाय के लिए वातावरण तयर करने में बल देती है जिससे उद्यमियों को आगे बढ़ने में मदद मिल सके। उद्यमिता विकास कार्यक्रम की प्रासंगिकता के प्रमुख तत्व निम्नलिखित है:-

a) उद्यमिता विकास कार्यक्रम किसी देश के विकास के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है ।

b) उद्यमिता विकास कार्यक्रमों की शिक्षण एंव प्रशिक्षण की नियोजित व्यवस्था करता है ।
c) उद्यमिता विकास कार्यक्रमों उद्यमियों के कौशल में वृद्धि करता है ।
d) उद्यमिता विकास कार्यक्रमों उद्यमियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करता है ।
e) उद्यमिता विकास कार्यक्रमों उद्यमियों की गतिशीलता में वृद्धि करता है ।
f) उद्यमिता विकास कार्यक्रम नवीन परियोजनाओं के निर्माण में सहायता करता है ।
g) उद्यमिता विकास कार्यक्रम बेरोजगारी को दूर करने के लिए विभिन्न स्वरोजगार कार्यक्रमों का विकास करता है ।
h) उद्यमिता विकास कार्यक्रम संतुलित विकास में सक्रिय सहयोग प्रदान करता है ।
i) उद्यमिता विकास कार्यक्रम उद्यमियों की प्रभावशीलता में वृद्धि करता है ।
j) उद्यमिता विकास कार्यक्रम देश में लघुत्तर लघु एवं सहायक उद्योगो की स्थापना एंव विकास को प्रोत्साहन देता है ।
k) उद्यमिता विकास कार्यक्रम देश में गरीबी के उन्मूलन में सहायता प्रदान करता है ।
l) उद्यमिता विकास कार्यक्रम संभावित उद्यमियों की खोज करता है ।
m) उद्यमिता विकास कार्यक्रम क्षेत्रों में उद्यमों की स्थापना को प्रोत्साहित करता है ।
n) उद्यमिता विकास कार्यक्रम देश में औद्योगिकीकरण के लिए संस्थागत ढांचा विकसित करने में सहायता करता है ।
o) उद्यमिता विकास कार्यक्रम बिखरी हुई योग्यताओं का विदोहन एंव उन्हें एक सूत्र में पिरोता है ।
p) उद्यमिता विकास कार्यक्रम देश-विदेश में व्यवसायियों की स्थापना पर बल देता है ।
q) उद्यमिता विकास कार्यक्रम विकास एवं अनुसंधान पर बल देता है ।